# आवे ना जावे मरे नहीं जन्मे

दर दिवार दर्पण भयो,
जित देखू तित तोय ।
कंकर पत्थर ठीकरी,
सब भयो आरसी मोय ॥

आवे ना जावे, मरे नहीं जन्मे,
सोई निज पीव हमारा हो ।
ना प्रथम जननी ने जनमो,
ना कोई सिर जन हारा हो ॥
आवे ना जावे, मरे नहीं जन्मे
सोई निज पीव हमारा हो...

साधनसिद्ध मुनि ना तपसी,
ना कोई करत आचारा हो ।
ना खट दर्शन चार बरन में,
ना आश्रम व्यवहारा हो ॥
आवे ना जावे, मरे नहीं जन्मे
सोई निज पीव हमारा हो...

ना त्रिदेवा सो हम शक्ति,
निराकार से पारा हो ।
शब्द अतीत अचल अविनाशी,
छर अक्षर से न्यारा हो ॥
आवे ना जावे, मरे नहीं जन्मे
सोई निज पीव हमारा हो...

ज्योति स्वरुप निरंजन नाही,
ना ओम हुंकारा हो ।
धरनी ना गगन,पवन ना पानी,
ना रवि चंदा तारा हो ॥
आवे ना जावे, मरे नहीं जन्मे
सोई निज पीव हमारा हो...

है प्रगट पर दिसत नाही,
सतगुर सैन सहारा हो ।
कहे कबीर सब घट में ही साहिब,
परखो परखन हारा हो ॥
आवे ना जावे, मरे नहीं जन्मे
सोई निज पीव हमारा हो...

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1021/title/aawe-na-jave-mare-nahi-janme-soyi-nij-peev-hamara-ho

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |